न्यायालय सिविल जज (जू0 डि0) कक्ष संख्या– 10, देवरिया
वाद संख्या–831/2019
फूलझारी देवी –प्रति– श्रीमती ध्रुवपति देवी आदि
––

29–04–2019

वाद संस्थित होकर मुंसरिम प्रतिवेदन के साथ पेश हुआ। अंगीकृत, पंजीकृत हो। सम्मन वास्ते वादोत्तर दिनॉक–11–07–2019 व वाद विन्दु दिनॉक–26–07–2019 के लिए जारी हो। बाद पैरवी प्रतिवादीगण को सम्मन वाद–पत्र की प्रति लगाकार उभय प्रकार जारी हो। पैरवी वादी 05 दिन मे करें ।

सिविल जज, जू0 डि0
कक्ष संख्या–10,देवरिया

29–04–2019

पत्रावली पेश हुई। वादिनी के विद्वान अधिवक्ता को प्रार्थना–पत्र 6ग पर एकपक्षीय रूप से सुना एवं पत्रावली मे दाखिल प्रलेखीय साक्ष्यों का अवलोकन किया ।

वादिनी की ओर से प्रार्थना–पत्र 6ग के माध्यम से यह कथन किया गया है कि प्रार्थना–पत्र 6ग मे दर्शित विवादित आराजी के वावत प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष के विरूद्ध अस्थाई व्यादेश का अनुतोष याचित किया गया है एवं वादिनी द्वारा अपने कथन के समर्थन मे दस्तावेजी साक्ष्य के रूप में 8ग सूची से 9ग/1 खतौनी फसली 1422–1427, व 11ग/1 लगायत 11ग/10 बैनामा की सत्य प्रति प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत वाद के अवलोकन से यह विदित होता है कि वादिनी प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष के विरूद्ध इम्तनाई के साथ–साथ बैनामा मंसूखी का अनुतोष भी याचित किया गया है। अतः मामले के तथ्य एवं परिस्थितियों के दृष्टिगत रखते हुए प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष को सुना जाना न्यायोचित एवं न्यायसंगत है।

अतः प्रतिवादीगण प्रथम पक्ष को नोटिस वास्ते आपत्ति/निस्तारण 6ग दिनांक 22–05–2019 के लिए जारी हो। पैरवी अन्दर–05 दिन किया जावे।

सिविल जज, जू0 डि0
कक्ष संख्या–10,देवरिया _

–